



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 74] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 1, 1984/ज्येष्ठ 11, 1906
No. 74] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 1, 1984/JYAISTHA 11, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 29-आई टी सी (पी एन)/84

नई दिल्ली, 1 जून, 1984

विषय :- भारतीय आयातकों को ऋण प्रदान करने के लिए
भारत के औद्योगिक विकास बैंक के लिए मिडलैण्ड
इंटरनेशनल ट्रेड सर्विसिस लि० (एम० आई० टी० एस०)
से 5 मिलियन पाँड यू० के० लाहन ऋण के मद्दे
पूँजीगत माल के आयात के लिए प्रक्रिया।

मि० सं० आई० पी० सी०/54/1/84.- मिडलैण्ड इंटरनेशनल
ट्रेड सर्विसिस (यू० के०) लि० (मिट्स) ने 5 मिलियन पाँड
यू० के० लाहन ऋण की राशि का ऋण भारत के औद्योगिक
विकास बैंक (आई डी बी आई) को उपलब्ध कराया है
जिसका उपयोग यू० के० विनिर्मित/मूल के पूँजीगत उपकरणों
के यू० के० में आयात के वित्तदान के लिए सार्वजनिक और
निजी क्षेत्र दोनों के भारतीय आयातकों को सहायता प्रदान
करने के लिए आई डी बी आई द्वारा किया जाएगा। संविदा

मूल्य के 2% तक गैर यू० के० माल और सेवाओं के वित्तदान
के लिए भी इस ऋण का उपयोग किया जा सकता है।
एम आई टी एस के पूर्व अनुमोदन से इस सीमा को बढ़ाया
जा सकता है। इस ऋण के अधीन लगातार विनरक
व्यापार को शामिल करना स्वीकार्य नहीं होगा।

2. इस साथ के अधीन एम आई टी एस द्वारा ऋण
के अनुमोदन की अंतिम तिथि 1-12-84 है और भुगतान की
अंतिम तिथि 1-12-86 है।

3. आई डी बी आई द्वारा ऋण औद्योगिक संस्थानों को
नई परियोजनाओं के लिए अपेक्षित यू० के० विनिर्मित/मूल
के पूँजीगत उपकरणों के आयात की लागत के एक भाग को
वित्तदान करने के साथ साथ विस्तार, विविधीकरण और
आधुनिकीकरण आदि के लिए, भी प्रदान किया जा सकता
है। एम आई टी एस ऋण के अधीन भुगतान उपकरणों
के खरीद मूल्य के 85% से अधिक नहीं होगा और आयातक
को खरीद मूल्य के 15% के तकद भुगतान को प्रस्तावी करना
होगा। ऋण के व्याज की दर थोड़ी सी डी कांसेन्सस दर
से 2% अधिक होगी जो एम आई टी एस द्वारा विनिश्चित
होगा।

4. एम आई० टी एम द्वारा सम्बद्ध मर्चों की लागत के लिए निष्का को गई न्यूनतम सीमा 25,000 यू० के० पौड है।

5. अंतिम किशन को छोड़कर भुगतान का प्रत्येक निवेदन 25,000 यू० के० पौड से कम का नहीं होगा।

6. इस क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए गए आयात लाईसेंसों के निर्गमनों को शामिल करने वाली शर्त निम्न प्रकार से है।

- (1) ऋण लेने वाले संस्थानों के आकार/आयात लाईसेंस के मूल्य को ध्यान में रखे बिना इस क्रेडिट के मद्दे पूंजीगत माल के आयात के लिए आवेदन पत्रों पर पूंजीगत माल समिति/पूंजीगत माल तदर्थ समिति द्वारा विचार किया जाएगा।
- (2) वे सम्बद्ध औद्योगिक संस्थान जो इस क्रेडिट के अधीन सुविधा का उपयोग करने के इच्छुक हैं, ऋण की स्वीकृति के लिए आई डी बी आई के मुख्यालय या किसी भी क्षेत्रीय कार्यालय के पास आवेदन करेंगे।
- (3) पूंजीगत माल समिति/पूंजीगत माल तदर्थ समिति द्वारा पूंजीगत माल के आयात की निकासी के बाद और आई डी बी आई द्वारा ऋण की स्वीकृति के बाद ही मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात आवेदक संस्थान के नाम में आयात लाईसेंस जारी करेंगे।
- (4) प्रत्येक आयात लाईसेंस पर एम आई टी एम/आई डी बी आई ऋण का पहचान चिह्न दिया जाएगा। और इसके साथ उस वर्ष का संकेत किया जाएगा जिसमें लाईसेंस जारी किया जाता है और फिर इसके बाद दी जाने वाली अनुवर्ती क्रम सं० को दर्शाया जाएगा आयात लाईसेंस यह निर्धारित करेगा कि आयात लाईसेंस के अंतर्गत वित्तदान किया जाने वाला माल यू० के० से ही प्राप्त करना चाहिए।
- (5) आयात लाईसेंस पर इस आशय का पृष्ठांकन होगा कि माल के मूल्य का 15% स्वतंत्र विदेशी मुद्रा में से सामान्य बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से प्रेषित किया जाएगा और शेष 85% का आई डी बी आई-एम आई टी एम क्रेडिट के अधीन प्राप्त विदेशी मुद्रा ऋण में से भुगतान किया जाएगा।
- (6) आयात लाईसेंस प्राप्त करने के पश्चात् आयातक को आई डी बी आई के माध्यम के क्रेडिट लाइन में से विदेशी मुद्रा ऋण प्राप्त करने के संबंध में उसका अनुमोदन प्राप्त करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के निर्यात नियंत्रण विभाग से सम्पर्क करना होगा।
- (7) आयात लाईसेंस जारी होने की तिथि से दो मास के भीतर लागत बीमा भाड़ा के आधार पर पक्क

आदेश दे दिए जाने चाहिए। यदि आयात लाईसेंस के अधीन एम स अधिक खरीद आदेश/संधिदा दिए जाने हैं तो ऐसे प्रत्येक खरीद आदेश/संधिदा में एक पहचान चिह्न होना चाहिए।

यदि आदेश दो मास के भीतर नहीं दिए जाते हैं तो लाईसेंसधारी को तत्काल ही इसके बाद लाईसेंस प्राधिकारी का (अर्थात् तीसरे मास के प्रथम सप्ताह में) आदेश होने की अवधि में उचित वृद्धि के लिए पर्याप्त औचित्यों सहित आवेदन करना चाहिए। लाईसेंस प्राधिकारी आवेदन पत्र पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करने के बाद उपयुक्त तारीख तक आदेश देने की बैधता अवधि बढ़ा देगा।

उन मामलों में जहां 2 मास के भीतर लाईसेंस के पूरे मूल्य के लिए आदेश नहीं दिए गए हों वहां आदेश देने के लिए अवधि वृद्धि उस शेष मूल्य के लिए लेनी पड़ेगी जो कि निर्धारित 2 मास के भीतर दिए गए आदेशों के अंतर्गत नहीं आता है। जहां तक सम्भव हो माल भारतीय पताका वाले जलयानों से भेजा जाए।

(8) आयात लाईसेंस 12 मास की आरम्भिक बैधता अवधि के लिए जारी किया जाएगा जिसके भीतर ही पोतनदान पूरा किया जाना चाहिए।

(9) आई डी बी आई विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी के रूप में यह सुनिश्चय करने के लिए आवश्यक जांच करेगा कि लाईसेंसधारी उसके (आई डी बी आई) नाम में कोई साख पत्र खोलने से पूर्व 2 मास (या लाईसेंस प्राधिकारी द्वारा अनुमित कोई वृद्धि अवधि हो) के भीतर आदेश देने की आवश्यकताओं को पूरा करता

(10) वित्तदान की गई मर्चें, भारत में ही उपयोग की जाएंगी और किसी भी देश को निर्यात नहीं की जाएगी।

7. लाईसेंस के अधीन भुगतान (क) लाईसेंस के अंतर्गत जाने वाले माल के लिए भुगतान नीचे की कंडिका 8 में उल्लिखित क्रियाविधि के अनुसार किए जाने चाहिए। विदेशी संभरकों के साथ की गई संधिदाओं के भुगतान पद्धति का और नीचे की कंडिका 8 में बताई गई क्रियाविधि के अनुसार संभरकों द्वारा मिडलैंड बैंक पी एल सी लन्दन को भेजे जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों का भी विशेष से उल्लेख किया जाना चाहिए।

(ख) प्राप्त माल के लागत के लिए भुगतान यू० के० पौड स्टैलिंग में किए जाएंगे।

(ग) भारतीय अधिकर्ता के कमीशन की राशि का भुगतान भारतीय रूपय में किया जाता है। लेकिन ऐसे प्रसार, आयात लाईसेंस के लिए होंगे।

8. विस्तृत भुगतान क्रियाविधि (1) यू० के० के संभरकों को भुगतान, आयातकों द्वारा आई डी बी आई, बम्बई के माध्यम से खोले जाने वाले साख पत्र के माध्यम से किया

जा सकता है और यू०के०में आई डी बी आई के पत्राचार के माध्यम से संभरकों को सूचित किया जा सकता है। साख पत्र में यह स्पष्ट रूप से उल्लिखित होना चाहिए कि साख पत्र के 85% की प्रतिपूर्ति एम आई टी एस ऋण के द्वारा की जाएगी और शेष 15% की प्रतिपूर्ति ओपनिंग बैंक द्वारा की जाएगी।

(2) साख पत्र में इस संबंध में उचित प्रतिपूर्ति अनुदेश निहित होंगे कि अनुबंध I में सूचीबद्ध दस्तावेज प्रस्तुत करने पर यू० के० के संभरक को राशि अदा की जाएगी। लाईसेंस-सधारी संभरक के भाष की गई अपनी संविदा में यह विनिर्दिष्ट करेगा कि अनुबंध I में विनिर्दिष्ट दस्तावेज, साखपत्र के अन्तर्गत लिए गए बिलों को स्वीकार करने समय, आई डी बी आई के लिए मिडलैंड बैंक पी० एल० सी० लन्दन, एटर्नेनी को प्रस्तुत करने हैं।

(3) लाईसेंस के अधीन सभी प्रकार के भुगतान, आयात लाईसेंस की वैधता अवधि के भीतर जिसमें लाईसेंस के अन्तर्गत सामान्य रूप से अनुमेय रियायती अवधि भी शामिल है, के भीतर पूर्ण होने चाहिए। लेकिन यह 1-12-86 के बाद नहीं किए जाने चाहिए।

(4) दिए गए आवेदनों के विवरण आई डी बी आई को भेजे जाने चाहिए जिनमें दिए गए आवेदनों/खोले गए साख पत्रों द्वारा लाईसेंस के उपयोग की प्रगति, वास्तविक आयातों और एम आई टी एस ऋण में से किए गए भुगतानों और भविष्य में किए जाने वाले लदानों की संभावित तिथि का संकेत किया जाए। प्रथम रिपोर्ट लाईसेंस जारी होने की तिथि से 2 मास के बाद या उससे पूर्व यदि आवेदक देने का कार्य पूर्ण हो जाता है, भेजी जानी चाहिए और इसके बाद प्रत्येक मास की पहली तारीख को भेजनी चाहिए।

9. माल का अन्तिम उपयोग:— इस क्रेडिट के अन्तर्गत लाईसेंस के मद्दे प्राप्त किए गए माल का उपयोग केवल उस निवेश को पूरा करने के लिए किया जाएगा, जिसके लिए लाईसेंस प्राप्त किया है।

10. शगड़ें:— यदि कोई शगड़ें, आयातक या संभरक के बीच खड़े हो जाते हैं तो इन्हें सामान्य व्यापार प्रक्रिया के अनुसार आयातक द्वारा सीधे ही निपटारा जाएगा।

11. भविष्य के लिए अनुदेश:— आयातक, आयात लाईसेंसों से संबंधित या उससे उत्पन्न होने वाले किसी या सभी मामलों में और एम आई टी एस-आई डी बी आई लाइन आफ क्रेडिट के लिए समझौते के अन्तर्गत सभी दायित्वों को करने के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों, अनुदेशों अथवा आवेदनों का सीधेता के साथ अनुपालन करेंगे।

उल्लंघन या अतिक्रमण उपर्युक्त निर्धारित शर्तों में से किसी का उल्लंघन या अतिक्रमण करने पर आयात निर्यात निबंधन अधिनियम के अन्तर्गत उचित कार्यवाही की जाएगी।

प्र० ४० जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

अनुबंध 1

संभरक/आयातक द्वारा भेजे जाने वाले दस्तावेज

(क) आयातक द्वारा यू०के०के संभरक के साथ निष्पादित खरीद संविदा (उसमें दिए गए किसी भी संशोधन सहित) की पुष्टिकृत प्रति ऐसी संविदा एफ० आई० टी० एम० को संतोषजनक होने चाहिए और जो यू०के०के किसी लागू अधिनियम या सार्वजनिक नीति के अधिक्रमण में न हो।

(ख) विस्तदान के लिए पात्र मर्चों के लिए ही आयातक ने खर्च किया है, इसका साक्ष्य।

(ग) यू०के० के उस संभरक का नाम और पता जिसके साथ संभारित किए जाने वाले उत्पाद का ब्योरा यू० के० के संभरक का इस आणय का प्रमाण पत्र कि विस्तदान की गई मद का क्रय मूल्य और अनुबंध-2 के अनुसार ऐसी मद के यू० के० का उद्गम स्थान।

(घ) भारत को निर्यातित मद के वाहन के पहचान के साथ लदान बिल की प्रति।
संभरक का प्रमाण पत्र

अनुबंध-2

मिडलैंड इंटरनेशनल ट्रेड सर्विस (यू० के०) लि०
(एम आई टी एस) बाल्कर हाउस, 87, नवीन विक्टोरिया स्ट्रीट, लन्दन ई सी 4 बी 4 ए पी

विषय:— क्रेडिट सं० देश का नाम
(ऋणी का नाम)

प्रिय महोदय,

हम यह समझते हैं कि यहां सूचीबद्ध हमारे बीजकों के अन्तर्गत आने वाले माल एवं सेवाओं की बिक्री यूनाईडिड किंगडम के मिडलैंड इंटरनेशनल सर्विस (यू० के०) लि० के साथ ऋण समझौते के अन्तर्गत स्थापित क्रेडिटस के माध्यम से विस्तदान की जाएगी।

प्रमाण पत्र

हम एतद् द्वारा यह प्रमाणित करते हैं कि उक्त बीजक के अधीन आने वाला माल और सेवाएं जो हमारे द्वारा उत्पन्न या विनिर्मित थी वह यू० के० में ही उत्पन्न या विनिर्मित थी या यदि हमारे द्वारा उत्पन्न या विनिर्मित नहीं थी तो वह यू० के० स्रोतों से ही हमारे द्वारा उपाजित की गई थी और हमारी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार संविदा मूल्य के 20% तक की न्यूनतम राशि को जिसे हमने इसमें संलग्न अनुसूची में ब्योरे सहित बताया है, उसे छोड़कर, तकली सेवाओं द्वारा जोड़े गए मूल्य का कोई भी संघटक हिस्सा या अन्यथा रूप से (कच्चे माल को छोड़कर) यू० के० के बाहर उत्पन्न या विनिर्मित नहीं है।

हम एतद द्वारा आगे यह प्रमाणित करते हैं कि निम्नलिखित को छोड़कर हमने उक्त बीजकों में शामिल माल और सेवाओं को बेचने या बेचने के लिए कोई ठेका प्राप्त करने के संबंध में या ऋणों के स्थापन या प्रचालन (एम आई टी एस द्वारा जारी किए गए किसी भी प्राथमिक सीदे सहित) हमने कोई भी बट्टा, भत्ता, रियायत, कमीशन, शुल्क या अन्य भुगतान न तो मंजूर किया है न चुकाया है न मंजूर करने के लिए या चुकाने के लिए सहमत हुए हैं :—

1. ऋता को कोई बट्टा, भत्ता या रियायत जो इन बीजकों में प्रकट की गई है,
2. अपने नियमित और पूर्ण कालिक कर्मचारियों को उनके नियमित मुआवजे की सीमा तक चुकाई जाने योग्य धनराशि,
3. अपने नियमित बिक्री एजेंटों या बिक्री प्रतिनिधियों को व्यापार के सामान्य तरीके से चुकाया गया नियमित कमीशन या शुल्क जिसकी धनराशि, उद्देश्य और प्रापक हमारी लेखा पुस्तकों और रिकार्ड से तुरन्त अभिज्ञेय हैं,
4. निम्नलिखित अनुसार अन्य भुगतान :—

प्रापक	या	पता	धनराशि
अभीष्ट प्रापक			

(यदि कुछ नहीं तो इस प्रमाण पत्र को पूर्ण समझा जाने के लिए 'कुछ नहीं' शब्द जोड़ा जाना चाहिए। यदि कोई प्रापक नामक है तो सेवाओं की किस्म और सीमा और भुगतान की गणना की पद्धति को प्रदर्शित करते हुए एक विवरण पत्र संलग्न किया जाना चाहिए)

हम समझते हैं कि उक्त बीजकों में शामिल माल और सेवाओं की या उनके किसी भाग को बिक्री या वित्तदान करने के लिए एम आई टी एस पर कोई आभार नहीं है जो रैर यू० के० मूल के या वहां निर्मित नहीं है और जो हमने यू० के० से बाहर के स्रोतों से प्राप्त किए थे और जिनका मूल्य ठेके के मूल्य के 20% से अधिक नहीं है और उपयुक्त पैरा 4 में प्रकट किए गए सभी भुगतान एम आई टी एस के लिए संतुष्टिप्रद होंगे।

(संभरक का नाम और पता)

(प्राधिकृत प्रतिनिधि)*

(प्रिन्ट नाम)

औहदा

*यह प्रमाणपत्र संभरक के वरिष्ठ अधिकारी जैसे अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, खजान्ची या सहायक खजान्ची द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। यदि कोई अन्य व्यक्ति हस्ताक्षर करें तो उसके प्राधिकार का साक्ष्य इस प्रमाण पत्र के साथ प्रस्तुत करना चाहिए।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 29-ITC(PN)/84

New Delhi, the 1st June, 1984

Subject : Procedure for import of capital goods against line of credit of UK £ 5 million from Midland International Trade Services Ltd. (MITS) to the Industrial Development Bank of India for on-lending to Indian Importers.

F. No. IPC/54/1/84.—The Midland International Trade Services (UK) Ltd., (MITS) has made available a line of credit for an amount of UP £ 5 million in favour of Industrial Development Bank of India (IDBI) which will be utilised by the IDBI to assist Indian Importers in both the public and private sectors to finance imports from UK of capital equipment of UK manufacture|origin. The credit can also exceeding 20 per cent of the contract value. This limit can be exceeded with prior approval of MITS. Continuous distributor business will not be acceptable for inclusion under this credit line.

2. The last date for approving a loan by MITS under this line of credit is 1-12-1984 and last date for disbursement is 1-12-1986.

3. Loans may be granted by the IDBI to Industrial concerns for financing part of cost of imports of capital equipment of UK manufacture|origin required for their new projects as well as for expansion, diversification, modernization etc. Disbursements under the MITS loan will not exceed 85 per cent of the purchase price of the equipments and the importer will have to effect cash payment of not less than 15 per cent of purchase price. The loans will carry an interest rate 2 per cent higher above the OECD consensus rate as may be specified by MITS.

4. The minimum limit fixed by MITS for the cost of relevant items is UK £ 25,000.

5. Each request for disbursement except for the final instalment shall be for not less than UK £ 25,000.

6. The terms and conditions governing the issuance of the import licences financed under this credit are set out below :—

6. The terms and conditions governing the issuance concern|value of import licence, applications for the import of capital goods against this credit will be considered by Capital Goods Committee|Capital Goods Ad-hoc Committees.

(ii) Industrial concerns desirous of making use of the facility under this credit will apply to

Head Office or any Regional office of the IDBI for sanction of loan.

- (iii) The Chief Controller of Imports & Exports will issue import licence in favour of the applicant concern only after import of capital goods has been cleared by the CG Committee/CG Ad-hoc Committee and a loan under the line of credit has been sanctioned by the IDBI.
- (iv) Each import licence will bear the identification mark MITS/IDBI loan followed by the year in which the licence is issued and then followed by a Sl. No. which is to be given consecutively. The import licence will stipulate that the goods to be financed under the import licence must be acquired from UK.
- (v) The import licence would be endorsed to the effect that 15 per cent of the value of the goods will be remitted through normal banking channels out of free foreign exchange currency loan obtained under IDBI-MITS line of credit.
- (vi) After the import licence is obtained, the importer will have to approach Exchange Control Department of Reserve Bank of India through IDBI for obtaining its approval for availing a foreign currency loan out of the line of credit.
- (vii) Firm orders must be placed on CIF basis, within two months of the date of issue of the import licence. If more than one purchase order/contract is placed under the import licence, each such purchase order/contract should contain an identification mark.

If orders are not placed within two months, the licensee should apply to licensing authorities immediately, thereafter (i.e. in the first week of third month) with adequate justification for suitable extension in the period ordering. The licensing authorities will extend the validity period for ordering up to a suitable date, after considering the application on merits.

In cases where orders have not been placed for the full value of the license within two months, extension of the period of ordering will have to be obtained for the balance value which is not covered by orders placed within the prescribed period of two months. As far as possible goods should be transported by Indian Flag Vessels.

- (viii) The import licence will be issued with an initial validity period of 12 months within which the shipment should be completed.
- (ix) As an authorised dealer in foreign exchange IDBI will exercise necessary checks to ensure that the licensee complies with the requirements of placing orders within two months (or any extended period allowed by the licensing authorities) before any letter of credit is opened by it (IDBI) in this behalf.
- (x) The items financed should be used in India and not exported to any other country.

7. Payments under the Licence :

- (a) Payments or goods covered by the licence should be made in accordance with the procedure explained in para 8 below. Contracts concluded with foreign suppliers must specify the mode of payment and also the documentation required to be furnished by the suppliers to the Midland Bank p.l.c. London as per the procedure set out in para 8 below.
- (b) Payments for the cost of goods acquired shall be made in UK £ Stg.
- (c) Payments on account of Indian Agent's Commission are to be made in Indian rupees. This however, will be charged to the import licence.

8. Detailed payment procedure :

- (1) The payments to UK suppliers can be made through letters of credit to be opened by the importers through IDBI, Bombay and advised to the suppliers through IDBI's correspondents in UK. The letters of credit should clearly indicate that 85 per cent of the L/C would be reimbursable by MITS loan and that the balance of 15 per cent would be reimbursed by the opening bank.
- (2) The Letter of Credit will contain a suitable reimbursement instruction that the UK supplier will be paid on presentation of certain documents listed in Annexure-I. The licensee should specify in his contract with the supplier that the documents specified in Annexure-I are required to be furnished to Midland Bank p.l.c., London, the Attorneys for IDBI, at the time of accepting the bills drawn under the letter of credit.
- (3) All payments under the licence have to be completed within the validity period of the import licence including the grace period normally permitted under the licence, but not later than 1-12-1986.

- (4) Statement of orders placed should be sent to IDBI indicating the progress of utilisation of licence by way of orders placed, letters of credits opened, actual imports and payments made out of MITS loan and also expected dates of future shipment. The first report should be sent after two months from the date of issue of licence or earlier if the ordering is completed and thereafter on the 1st of every month.

9. End-use of goods :

The goods acquired against the licence granted under this credit shall be used exclusively in carrying out the investment for which the licence is obtained.

10. Disputes :

Disputes, if any, that may arise between the importers and suppliers shall be settled direct by the importer in accordance with the normal trade practices.

11. Future Instructions :

The importers shall promptly comply with the directions, instructions, or orders issued by the Central Government regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licences and for meeting all obligations under the Agreement for the MITS-IDBI line of credit.

12. Breach or violation :

Any breach or violation of the conditions set forth above will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

P. C. JAIN, Chief Controller of
Imports & Exports

ANNEXURE I

Documents to be furnished by supplier/importer

(a) Conformed copies of purchase contracts (with any amendments thereto) executed by the importer with the UK supplier. Such contracts must be satisfactory to MITS and not contravene any applicable statute or public policy of UK.

(b) Evidence that the importer has made expenditure for only items eligible for financing.

(c) UK supplier's name and address with description of products to be supplied together with the UK supplier's certificate as to purchase price of the items financed and the UK origin of such items as per Annexure-II.

(d) The UK supplier's Invoice identifying the items exported, the supplier and the cost of the items.

(e) A copy of the Bill of Lading identifying the carrier of the items exported to India.

ANNEXURE II

SUPPLIER'S CERTIFICATE

MIDLAND INTERNATIONAL TRADE SERVICES
(UK) LTD. (MITS), Walker House, 87,
Queen Victoria Street, London EC4V 4 AP

Subject : Credit No. Name of country.
(Name of Borrower)

Dear Sirs,

We understand that the sale of the goods and services covered by our invoices here listed :

Number, Date, Name and Address of Buyer, Amount may be financed through Credits established under a Credit Agreement with the Midland International Services (UK) Ltd., (MITS) of the United Kingdom.

CERTIFICATE

We hereby certify that the goods and services covered by and invoices which were originated or manufactured by us were originated or manufactured in the United Kingdom or if not originated or manufactured by us, were acquired by us from sources in the United Kingdom, and that to the best of our knowledge and belief no component part of value added by fabrication services or otherwise (exclusive of raw materials) originated or manufactured outside the United Kingdom except a minimal amount not exceeding 20 per cent of the contract value which we have set forth in detail in a schedule attached hereto.

We hereby further certify that we have not granted, paid or agreed to grant or pay any discount, allowance, rebate, commission, fee or other payment on connection with the sale of or the obtaining of any contract to sell the goods and services covered by said invoices or with the establishment or operation of the Credits (including any preliminary commitment relating thereto issued by MITS) except :

1. Any discounts, allowances or rebates to the buyer which are disclosed in said invoices ;
2. Amounts payable to our regular full-time employees to the extent of their regular compensation ;
3. Regular commissions or fees paid in the ordinary course of business to our regular sales agents or sales representatives and readily identifiable on our books and records as to amount, purpose and recipient ;

4. Other payments, as follows :

Payee or Intended payee	Address	Amount
----------------------------	---------	--------

excess of 20 per cent of the contract value and that all payments disclosed in sub-paragraph 4 above must be satisfactory to MITS.

(If none, the word 'none' must be inserted in order for this certificate to be considered complete. If any payee is named, a statement must be attached showing the nature and extent of the services and the method of computation of the payment).

(Name & Address of Supplier)

(Authorised Representative)

(print Name)

Title _____

We understand that MITS is under no obligation to finance the sale of any part of the goods and services covered by said invoices which is of non-UK origin or manufacture or which was acquired by us from sources outside the United Kingdom and whose value is in

*This certificate must be signed by a senior officer of the supplier, such as the president, a Vice-President, the Treasurer or an Assistant Treasurer. If any other individual signs, evidence of his authority must be submitted with this Certificate.

